शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादकः

केप्टन डॉ0 अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति :

डॉ0 अर्पणा वत्स, असि0 प्रो0, इतिहास विभाग, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 सुशीला शक्तावत, एसो0 प्रो0, इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रो0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0जी0एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 गौरी मानिक मानसा, असि0 प्रो0, वी0 एस0 क0 विश्वविद्यालय, बालारी

डॉ0 साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

Managing Editor : Mithal K.

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by Mithal K., Journal Anu Books, Meerut
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi

Subscription

India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Foreign	$60.00	$ 250.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. 9 No. 2 **June 2018**

UGC Approved List No. 40908

अनुक्रमणिका

1. ग्रामीण क्षेत्रों में संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका
पूजा यादव, वन्दना राठौर 1

2. घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम और सामाजिक यथार्थता
डॉ0 ज़किया रफत 8

3. खेतिहर मजदूर : दशा व दिशा
डॉ0 अनूप सिंह सांगवान् 13

4. उत्तराखण्ड जनजातीय समाज की संस्कृति एवं सामाजिक परम्परायें
डॉ0 निरंजना शर्मा 19

5. मुस्लिम वैयक्तिक कानून, मुस्लिम महिलाएँ एवं लैंगिक समानता :
मुस्लिम महिलाओं के अवबोधन पर आधारित एक अध्ययन
डॉ0 गिरीश चन्द्र पाण्डेय 26

6. भारतीय समकालीन कला में मानवीय व अमानवीय आवेगों का चित्रण
डॉ0 कविता सिंह 34

7. भारत में समिति व्यवस्था का प्रारम्भ विकास एवं उसका वर्तमान स्वरूप
डॉ0 विक्रम सिंह 40

8. भारत में महिला सशक्तिकरण : उभरते आयाम
डॉ0 निशा त्यागी 48

9. क्षयरोग के सामाजिक प्रभावों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
डॉ0 गिरीश चन्द्र पाण्डेय 55

10. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महामात्य चाणक्य की नीति एवं शैक्षिक विचारों की उपादेयता
रजनी शर्मा, डॉ0 अमर जीत सिंह 'परिहार' 61

11. पूर्वी राजस्थान की मीना जनजाति में विवाह के बदलते प्रतिमान
उर्मिला मीना, डॉ0 मोनिका नागोरी 68

12. भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
डॉ0 ललिता 78

13. गढ़वाल के शिल्पकार–पेशा उनके द्वारा निर्मित कुछ धार्मिक तथा ऐतिहासिक कृतियां एवं उनकी शक्तियां
डॉ0 रजनी गुसांई 84

14. समकालीन भारत में दलित चेतना
अनिल कुमार 92

15. मनरेगा योजना एवं निर्धनता : उत्तर प्रदेश के एक गांव का समाजशास्त्रीय अध्ययन
भारती देवी, हरिनन्दन कुशवाहा 100

16. समकालीन कथा साहित्य में महिला उपन्यास लेखिकाओं के विविध आयाम
डॉ० सुनीता वर्मा 112

17. चित्रकार फ्रीड़ा काहलो– 'वेदना की मल्लिका'
डॉ0 कविता सिंह 117

18. कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण
डॉ0 तूलिका चन्द्रा 122

19. पर्यटन तथा बदलती सामाजिक जीवन शैली : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (पुष्कर के विशेष संदर्भ में)
अनिल कुमार जाटावत, डॉ0 विनीता लवानिया 127

20. दलित संचेतना का वर्तमान परिप्रेक्ष्य (जाति आधारित समाजशास्त्रीय विश्लेषण)
डॉ0 राजपाल सिंह, डॉ0 रजनीश कौशिक 134

21. ईंट भट्टा मजदूरों की सामाजिक एवं आर्थिक प्रस्थिति : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
बाबूलाल जाटव, डॉ0 अनिल पालीवाल 141

22. दिव्यागंजन तथा सामाजिक बहिष्करण : प्रमस्तिष्क घात से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
डॉ0 मणीन्द्र कुमार तिवारी 147

23. आधुनिक युग में 'महिला सुरक्षा' या महिला सशक्तिकरण
भारती 153